भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं.146#

गुरुवार, 20 जुलाई, 2023/29 आषाढ़, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र पर जी-20 शिखर सम्मेलन का प्रभाव

146# श्री बृजलालः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन का देश के पर्यटन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस प्रकार के शिखर सम्मेलन से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): जी20 के प्रभाव का औपचारिक रूप से कोई आकलन नहीं किया गया है लेकिन इन बैठकों से भारत के प्रमुख पर्यटक गंतव्यों की दृश्यता बढ़ी है।

(ग): भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान देश भर के 60 से अधिक स्थलों पर 200 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है। इन सभी गंतव्यों ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है और भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया है। जी20 बैठकों ने भारत की यात्रा कर रहे जी20 शिष्टमंडलों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया है। मेजबान शहरों में अवसंरचना का उन्नयन किया गया है और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए हितधारकों की क्षमता निर्माण हेतु विभिन्न पहलें की गई है।

जी20 शिष्टमंडलों की यात्रा के लिए मेजबान शहरों में तथा उनके आसपास के विभिन्न विरासत स्मारकों को भी संवारा गया और उन्हें भारत की समृद्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत देखने का मौका दिया गया। इन यात्राओं और गहन अनुभवों के अतिरिक्त इन क्षेत्रों की

कला, संस्कृति और परंपराओं के प्रदर्शन हेतु जी 20 बैठकों ने एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया है। पर्यटन कार्य समूह की बैठकों के दौरान राज्य सरकारों द्वारा कला एवं शिल्प बाजार स्थापित किए गए जिनमें स्थानीय हस्तशिल्प तथा कला का प्रदर्शन किया गया और सामुदायिक भागीदारी को सुगम बनाया गया। शिष्टमंडलों ने हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय कला एवं शिल्प का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए आयोजित 'डू इट योरसेल्फ' कार्यकलापों में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इसके अतिरिक्त शिष्टमंडलों को उपहार स्वरूप दिए गए स्मृति चिह्नों में क्षेत्रीय कारीगरी की झलक थी।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन कार्यसमूह की बैठकों के दौरान अनेक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए और देश में पर्यटन क्षेत्र के विकास और संवर्धन का मार्ग प्रशस्त किया। फिल्म पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके संवर्धन और विकास के लिए भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल संघ (एफआईसीसीआई) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत में ईको पर्यटन के संवर्धन और विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ एक अन्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। पर्यटन संवर्धन और विकास से जुड़े प्रमुख कार्यक्रम सम्बन्धी क्षेत्रों में सहयोग और साझेदारी को बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) और पर्यटन मंत्रालय के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

****